हाथी

किसी बात को जब आप विस्तार से सोचेंगे तो आप उसके बारे में ज्यादा जान पाएंगे। अगर आप सिर्फ रट कर अर्थात बिना उसका मतलब जाने याद करके Exam पास होना चाहते हैं तो उसका कोई लाभ नहीं है। आप किसी चीज के बारे में विस्तार से जानिये, यह आपके लिए लाभप्रद होगा। आज की यह Short Hindi Stories इसी पर आधारित है।

विनीत ने पुनीत को सामने की तरफ दिखाते हुए कहा, **"सामने देखो क्या आ रहा है ?"**

पुनीत ने कहा , "हाथी। हाथी ही तो है जो अपने **महावत** को अपने ऊपर बिठाए हुए जा रहा है। उसके पीछे कुछ कुत्ते भौंक रहे थे। लेकिन गांव के रास्ते के पास कुछ बुजुर्ग आदमी उस हाथी को आदर प्रदान करने के लिए अपने हाथ जोड़कर प्रणाम कर रहे थे।"

तुमको हाथी को देखकर कुछ समझ में आया ? विनीत ने पुनीत से पूछा।

पुनीत ने कहा, "इसमें समझने वाली क्या बात है। बड़ा डील डौल, लम्बी सूंड़, बड़े सूपकर्ण छोटी दुम, यही तो हाथी की पहचान है। इसमें समझने जैसा कुछ नजर नहीं आता है।"

इसपर विनीत ने पुनीत से कहा, "सुनो मैं बताता हूँ, जिस प्रकार एक समर्थ आदमी के सामने उसकी बुराई बुरे आदमी नहीं करते और पीठ पीछे आवाज करते है। वही हाल उन कुत्तों का है। हाथी के सामने से कदापि नहीं भौंक सकते और जो बुजुर्ग लोग करबद्ध होकर प्रणाम कर रहे है, जैसे समर्थ आदमी का सम्मान कर रहे हो और हाथी भी उस समर्थ आदमी की तरह जो हाथ उठाकर सम्मान का पत्युत्तर देते है, ठीक उसी प्रकार अपना सूंड़ उठाकर अपने अभिवादन का प्रत्युत्तर देते हुए आगे जा रहा है।"

उसने फिर कहा, " महावत का जिक्र किए बिना बात पूर्ण नहीं होगी। जैसे **साधु जन** अपने मंत्र के प्रयोग से हर प्रयोजन पूर्ण कर लिया करते थे, वैसे ही यह महावत है। जो अपने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण अस्त्र से हाथी को अपने आदेश का पालन करवाता है। "

पुनीत ने कहा, "मैंने तो आज तक इस बात पर गौर ही नहीं किया था और हाथी के विषय में जानकारी देने के लिए धन्यवाद दिया।

लकीर

मित्रों कभी भी डर कर कार्य मत करो। अगर आपने कुछ गलत नहीं किया है तो आपको डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। लकीर से हटकर चलने वाला ही इतिहास में नाम दर्ज कराता है। मित्रों पुरे साहस के साथ आगे बढ़ीये, दुनिया आपकी मुट्ठी में होगी। आज की यह छोटी सी कहानी इसी पर आधारित है।

रामपुर और गोसाईपुर की सीमा आपस में मिलती थी। रामपुर गांव के लोग हमेशा से गोसाईपुर गांव की जमीन का **अतिक्रमण** किया करते थे।एक बार गोसाईपुर गांव के कुछ लोग अपने जानवरों को जहां दोनों गांव की सीमा मिलती थी, वहीं पर चरने के लिए छोड़ दिये थे।

यह देखकर रामपुर वालों ने गोसाईपुर के लोगों को वहां से भगा दिया और कहने लगे यह जमीन हमारी है। यहां जानवर तो क्या कोई आदमी भी नहीं आना चाहिए।

बरसों बीत गए गोसाईपुर का कोई भी आदमी उधर जाने की हिम्मत नहीं करता था, क्योकि उनके मन में इतना डर बैठ गया था और उनका साहस इतना कमजोर हो गया था कि वहां जाने पर रामपुर वाले हमें मारेंगे।

समय बीतता गया एक दिन गोसाईपुर का नौजवान पिंटू अपने जानवर लेकर उसी जगह पर जा रहा था। जहां गोसाईपुर का कोई व्यक्ति नहीं जाता था।

सभी लोगों ने उसे भी रामपुर के लोगों का डर बताया। लेकिन वह नहीं माना और अपने जानवरों को लेकर चला गया और शाम तक अपने घर वापस आ गया। उसका यह रोज का काम हो गया था। पिंटू को देखकर अन्य लोगों का भी साहस बढ़ गया और वह भी पिंटू के साथ जाने लगे।